<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

<u>पंतनगर में अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित</u>

पंतनगर। 5 फरवरी 2026। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना–कृषिरत महिलाएं, पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय तथा आईसीएआर–केंद्रीय महिला कृषि संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा संयुक्त रूप से अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग की कृषक महिलाओं की आजीविका के अवसरों में वृद्धि करना एवं उनके कौशल का विकास करना था।

कार्यक्रम के प्रथम दिन श्रीमती सुमन देव, शाखा प्रबंधक, ऊधम सिंह नगर जिला सहकारी बैंक, गदरपुर तथा श्री दिनेश कुमार, शाखा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, दिनेशपुर द्वारा प्रधानमंत्री पेंशन योजना, अटल बीमा योजना, स्वयं सहायता समूह ऋण, दीनदयाल योजना सहित विभिन्न बैंकिंग एवं कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके पश्चात सुंदरम स्वयं सहायता समूह, जवाहर नगर की सचिव एवं अनुभवी प्रशिक्षक श्रीमती राधा पांडे द्वारा धूप निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में गुग्गुल, लौंग, गाय का गोबर, लकड़ी का बुरादा एवं सूखे फूलों का उपयोग कर कम लागत एवं सतत तकनीकों से धूप निर्माण की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दूसरे दिन निखत समन्वयक ग्रामीण उद्यम संवर्धन परियोजना तथा राधा बठला, क्षेत्र समन्वयक, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, गदरपुर द्वारा ग्रामीण उद्यम त्वरण परियोजना (रीप) एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत उपलब्ध योजनाओं एवं रोजगार अवसरों की जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। इसके उपरांत डा. मनीषा गहलौत द्वारा हर्बल होली गुलाल निर्माण पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें पर्यावरण अनुकूल एवं आयवर्धक उत्पादन विधियों पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान 30–30 कृषक महिलाओं को स्प्रेयर पंप, गार्डन रेक, खुरपी, हार्वेस्टिंग बैग, स्टील बाल्टी, प्लास्टिक क्रेट, वाटर पाइप एवं अजोला बेड जैसे कृषि उपकरण भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन डा. मनीषा गहलौत, इकाई समन्वयक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना–कृषिरत महिलाएं द्वारा उनकी शोध टीम डा. बीनू सिंह, डा. कल्पलता पंत एवं ज्योति भंडारी के सहयोग से किया गया। दोनों गांवों के ग्राम प्रधानों के सक्रिय समर्थन से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।